%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D. )

%%p. 040

No. 026

Kūrmeśvara Temple at Śrīkūrmaṃ<1>

( S. I. I. Vol. V, No. 1283; A. R. No. 373-T of 1896 )

Ś. 1133

T

(१।) श्री कूर्म्मदेवाय नमः

(२।) स्वस्ति [।।] शकवर्षवुलु ११३३ गु ने-

(३।) ंडु मेष शुक्ल त्रि(तृ)तीययु शनिवारमुन<2>

(४।) स्वस्ति [।।] अनेक भंग्गुरतरंग्गसंघातवीची व्या[या]....

(५।) लवनो(णो)दधिवे[ला]वलयवलइ(यि)त गंगाप-

(६।) र्य्यत मधु ... .... .... .... .... पुर-

(७।) वल्लभ हइहय वंशोद्भव कौंडि[न्यसगो]-

(८।) त्र अत्युग्रनरसि(शि)रोदर्प्पणाद्व(ध्व)ज महामंड पर्रे-

(९।) षो(सो)षण सहस्रवाहु प्रतापवीर्यगु-

(१०।) णसंपन्नलैन श्रीमन्महामण्डलेश्वर डं-

(११।) गेटि<3> मुंजराजुकेड्कु कण्डमराजु श्रीकू-

(१२।) र्म्मस्वामिदेवरक(कु) मा व्रित्तियैन अवअंद्दु-

(१३।) मा अय्यधारपो[सिन] भूमि लोपुगामुपंदु-

(१४।) मु नेल यखंडवत्तिदीपमुनकु

(१५।) चंद्रार्क्कस्थाहि(यि)गा पेट्टितिमि [।।] स्वदत्त

(१६।) परदत्तं वा [यो] हरेत वसु-

(१७।) ंधर(रां) [।।] षष्टि र्व्व(व)र्ष स[हस्राणि]

(१८।) विष्ठायां जायते क्रि(कृ)मिः [।।]

<1. In the same place where the inscription A. R. No. 373-S of 1896 is, >

<2. The corresponding date is the 19th March, 1211 A. D. Saturday.>

<3. A place named Dhaṅgaṭapāṭaka is mentioned in the Bilhari Stone Inscription of the rulers Chedi (Vide Hira Lal’s Insc, in C. P. & Berar (P. 23)>